'कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव' ऑनलाईन गोष्ठी

गंगरार, 6 सितम्बर (जसं.)। स्थानीय मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केएस राणा के मुख्य आतिथ्य में 'कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव' विषयक परिचर्चा और राष्ट्रीय कवि गोष्ठी का आयोजन ऑनलाईन दिल्ली पुस्तक मेला स्थल पर ऑथर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया द्वारा दो सत्रों आयोजित की गई।

प्रथम सत्र में कोरोनाकाल में बच्चों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन पर चर्चा की गई। देशभर के चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने वक्तव्य में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्तर पर लोगों, विशेषकर बच्चों में क्या-क्या परिवर्तन आए और भविष्य में जीवन को सुखद रुप में कैसे जिया जाए, इस पर विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति राणा ने कहा कि इस वैश्विक महामारी ने पूरी मानवता को प्रभावित किया है, जिसमें बच्चे मुख्य रुप से रहे, विशेषकर उनकी शिक्षा। हमें अपनी शिक्षा के साधनों का गरीब, मेधावी छात्रों को फोकस करते हुऐ इस्तेमाल करना होगा। इस महामारी में अपने पुराने तौर-तरीकों से हटकार जीने को जान सके। इसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों की मानसिकता पर पड़ा। वे बाहर खेलने-कूदने, दोस्ती बनाने नहीं जा सके, उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आया कहीं तो वे परिजनों पर आक्रामक हो गये।

खासतौर से ग्रामीण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में, जहां न इंटरनेट की सुविधा है, न ही बच्चों के पास एंड्राइड फोन। बच्चों के टीवी देखने से रोकते है कि उनकी आंखे खराब हो जाएगी। वो ऑनलाईन शिक्षण को मजबूर थे, मजाक सा लगता है। उन्होंने इसके लिये गैर-सरकारी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे सब इस कार्य के लिये भविष्य में आगे आएें, बच्चे देश की निधि है उनको सुरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

'कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव' ऑनलाईन गोष्ठी

गंगरार, 6 सितम्बर (जसं.) । स्थानीय मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केएस राणा के मुख्य आतिथ्य में 'कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव' विषयक परिचर्चा और राष्ट्रीय कवि गोष्ठी का आयोजन ऑनलाईन दिल्ली पुस्तक मेला स्थल पर ऑथर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया द्वारा दो सत्रों आयोजित की गई।

प्रथम सत्र में कोरोनाकाल में बच्चों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन पर चर्चा की गई। देशभर के चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने वक्तव्य में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्तर पर लोगों, विशेषकर बच्चों में क्या-क्या परिवर्तन आए और भविष्य में जीवन को सुखद रुप में कैसे जिया जाए, इस पर विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति राणा ने कहा कि इस वैश्विक महामारी ने पूरी मानवता को प्रभावित किया है, जिसमें बच्चे मुख्य रुप से रहे, विशेषकर उनकी शिक्षा। हमें अपनी शिक्षा के साधनों का गरीब, मेधावी छात्रों को फोकस करते हुऐ इस्तेमाल करना होगा। इस महामारी में अपने पुराने तौर-तरीकों से हटकार जीने को जान सके। इसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों की मानसिकता पर पड़ा। वे बाहर खेलने-कूदने, दोस्ती बनाने नहीं जा सके, उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आया कहीं तो वे परिजनों पर आक्रामक हो गये।

खासतौर से ग्रामीण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में, जहां न इंटरनेट की सुविधा है, न ही बच्चों के पास एंड्राइड फोन। बच्चों के टीवी देखने से रोकते है कि उनकी आंखे खराब हो जाएगी। वो ऑनलाईन शिक्षण को मजबूर थे, मजाक सा लगता है। उन्होंने इसके लिये गैर-सरकारी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे सब इस कार्य के लिये भविष्य में आगे आऐं, बच्चे देश की निधि है उनको सुरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

Dainik Bhaskar 07-09-2021

''कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव''
विषय पर ऑनलाईन गोष्ठी का हुआ आयोजन

जयपुर मिड-डे टाइम्स

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी/छोटू)। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आदरणीय डॉ. के.एस.राणा के मुख्य आतिथ्य में ''कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव'' विषयक परिचर्चा और राष्ट्रीय कवि - गोष्ठी

का आयोजन ऑनलाईन '' दिल्ली पुस्तक मेला'' स्थल पर ''ऑथर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया'' के द्वारा दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रथम सत्र में कोरोनाकाल में बच्चों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन पर चर्चा की गई। देशभर के चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने वक्तव्य में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्तर पर लोगों, विशेषकर बच्चों में क्या-क्या परिवर्तन आए और भविष्य में जीवन को सुखद रूप में कैसे जीया जाए, इस पर विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आदरणीय डॉ. के.एस.राणा ने कहा कि इस वैविक महामारी ने पूरी मानवता को प्रभावित किया, जिसमें बच्चे मुख्य रूप से रहे विशेषकर उनकी शिक्षा। हमें अपनी शिक्षा के साधनों का गरीब, मेधावी छात्रों को फोकस करते हुऐ इस्तेमाल करना होगा। इस महामारी में हम अपने पुराने तौर-तरीकों से हटकार जीने को जान सके। इसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों की मानसिकता पर पड़ा। वे बाहर खेलने-कूदने, दोस्ती बनाने नहीं जा सके, उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आया कहीं तो वे आक्रामक हो गये परिजनों पर। खासतौर से ग्रामीण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में, जहां न इंटरनेट की सुविधा है, न ही बच्चों के पास एंड्राइड फोन। बच्चों के टीवी देखने से रोकते है कि उनकी आंखे खराब हो जाएगी। वो ऑनलाईन शिक्षण को मजबूर थे, मजाक सा लगता है। इसके लिये गैर-सरकारी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे सब इस कार्य के लिये भविष्य में आगे आऐं बच्चे देश की निधि है उनको सुरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव

चित्तौड़गढ़. मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.एस.राणा के मुख्य आतिथ्य में कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव विषयक परिचर्चा और राष्ट्रीय कवि गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन दिल्ली पुस्तक मेला स्थल पर ऑथर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया की ओर से दो सत्रों में हुई। प्रथम सत्र में कोरोनाकाल में बच्चों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन पर चर्चा की गई। देशभर के चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने वक्तव्य में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्तर पर लोगों, विशेषकर बच्चों में क्या-क्या परिवर्तन आए और भविष्य में जीवन को सुखद रूप में कैसे जीया जाए, इस पर विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि राणा ने कहा कि इस वैश्विक महामारी ने पूरी मानवता को प्रभावित किया, जिसमें बच्चे मुख्य रूप से रहे विशेषकर उनकी शिक्षा। हमें अपनी शिक्षा के साधनों का गरीब, मेधावी छात्रों को फोकस करते हुऐ इस्तेमाल करना होगा। इस महामारी में हम अपने पुराने तौर-तरीकों से हटकार जीने को जान सके।

इसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों की मानसिकता पर पड़ा। वे बाहर खेलने-कूदने, दोस्ती बनाने नहीं जा सके, उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आया कहीं तो वे आर ामक हो गये परिजनों पर। खासतौर से ग्रामीण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में, जहां न इंटरनेट की सुविधा है, न ही बच्चों के पास एंड्राइड फोन। बच्चों के टीवी देखने से रोकते है कि उनकी आंखे खराब हो जाएगी। वो ऑनलाइन शिक्षण को मजबूर थे, मजाक सा लगता है। इसके लिये गैर-सरकारी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे सब इस कार्य के लिये भविष्य में आगे आऐं बच्चे देश की निधि है उनको सुरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

किया।

'कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव'' विषय पर ऑनलाईन गोष्ठी का हुआ आयोजन

चित्तौड़गढ़,(अमित कुमार चेचानी/छोटू)। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आदरणीय डॉ. के.एस.राणा के मुख्य आतिथ्य में ''कोरोना महामारी का बच्चों पर मानसिक प्रभाव'' विषयक परिचर्चा और राष्ट्रीय कवि - गोष्ठी का आयोजन ऑनलाईन '' दिल्ली पुस्तक मेला'' स्थल पर ''ऑथर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया'' के द्वारा दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रथम सत्र में कोरोनाकाल में बच्चों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन पर चर्चा की गई। देशभर के चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने वक्तव्य में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्तर पर लोगों, विशेषकर बच्चों में क्या-क्या परिवर्तन आए और भविष्य में जीवन को सुखद रूप में कैसे जीया जाए, इस पर विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आदरणीय डॉ. के.एस.राणा ने कहा कि इस वैविक महामारी ने पूरी मानवता को प्रभावित किया, जिसमें बच्चे मुख्य रूप से रहे विशेषकर उनकी शिक्षा। हमें अपनी शिक्षा के साधनों का गरीब, मेधावी छात्रों को फोकस करते हुऐ इस्तेमाल करना होगा। इस महामारी में हम अपने पुराने तौर-तरीकों से हटकार जीने को जान सके। इसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों की मानसिकता पर पड़ा। वे बाहर खेलने-कूदने, दोस्ती बनाने नहीं जा सके, उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आया कहीं तो वे आक्रामक हो गये परिजनों पर।

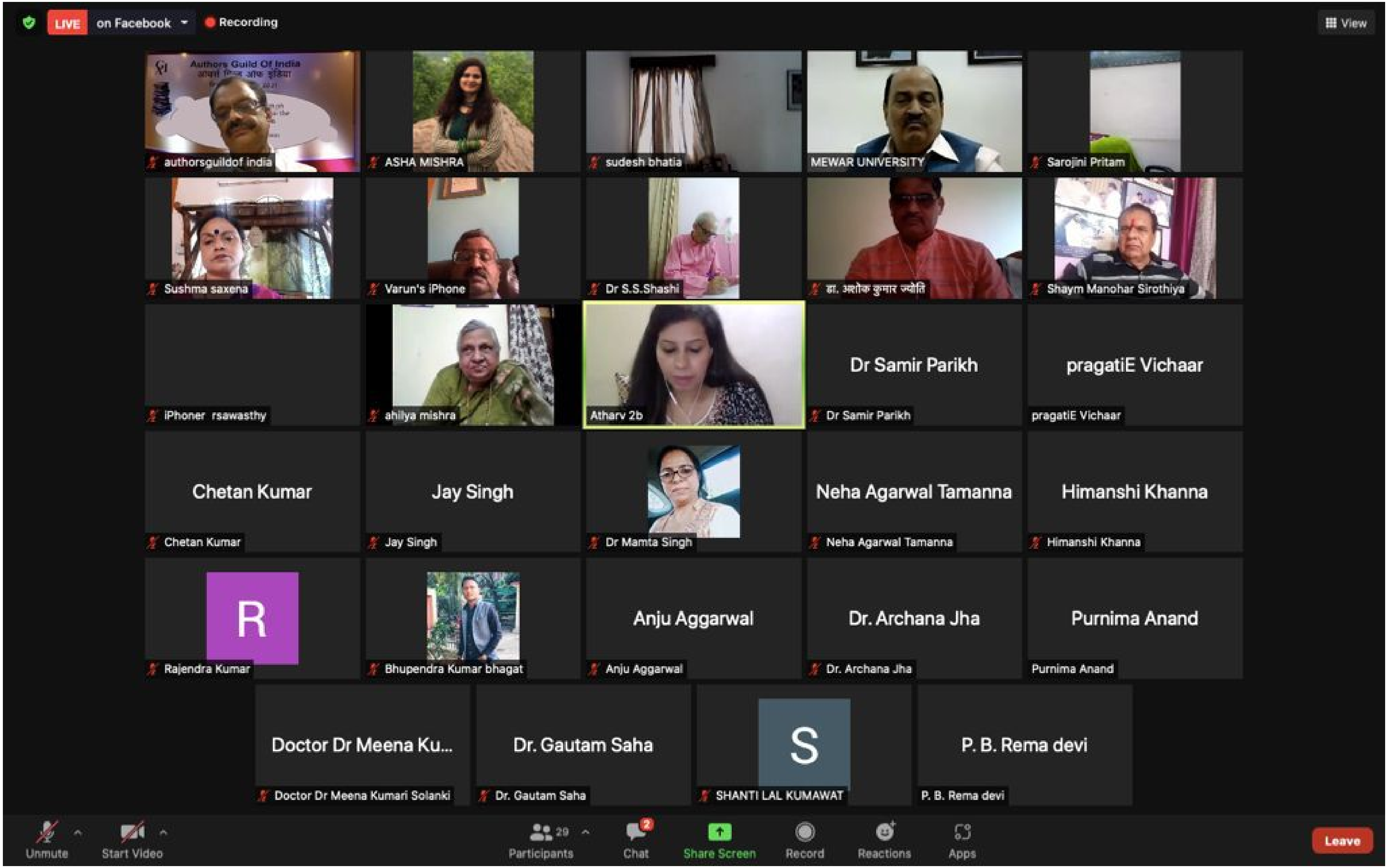

LIVE
on Facebook
Recording
View
authorsguildof india
ASHA MISHRA
sudesh bhatia
MEWAR UNIVERSITY
Sarojini Pritam
Sushma saxena
Varun's iPhone
Dr S.S.Shashi
डा. अशोक कुमार ज्योति
Shaym Manohar Sirothiya
iPhoner rsawasthy
ahilya mishra
Atharv 2b
Dr Samir Parikh
pragatiE Vichaar
Chetan Kumar
Jay Singh
Dr Mamta Singh
Neha Agarwal Tamanna
Himanshi Khanna
Rajendra Kumar
Bhupendra Kumar bhagat
Anju Aggarwal
Dr. Archana Jha
Purnima Anand
Doctor Dr Meena Kumari Solanki
Dr. Gautam Saha
SHANTI LAL KUMAWAT
P. B. Rema devi
Unmute
Start Video
Participants
Chat
Share Screen
Record
Reactions
Apps
Leave